

CUET-UG Hindi Sample Paper-4

Duration: 1 Hour

Maximum Marks: 250

Instructions

- This paper contains a total of 50 Multiple Choice Questions.
- Each correct answer carries +5 marks.
- Each incorrect answer carries -1 mark.
- No negative marking for unattempted questions.

गद्यांश 1: साहित्यिक गद्यांश

गद्यांश 1: "इतिहास के पन्नों पर अंकित केवल तिथियाँ सत्य नहीं होतीं, बल्कि उन तिथियों के पीछे छिपी मानवीय संवेदनाएँ और सांस्कृतिक संक्रमण की कहानियाँ ही वास्तविक इतिहास का निर्माण करती हैं। कृष्णदेव राय के शासनकाल में विजयनगर का वैभव केवल उसकी सैन्य शक्ति का परिचायक नहीं था, बल्कि 'अमुक्तमाल्यदा' जैसी साहित्यिक कृतियाँ यह सिद्ध करती हैं कि एक सम्राट के भीतर कवि और कला-पारखी का हृदय भी धड़कता था। मध्यकाल की गंगा-जमुनी तहजीब का उल्लेख करते हुए सूफी संतों ने अपनी मसनवियों में प्रेम को ही ईश्वर प्राप्ति का एकमात्र मार्ग बताया। जब हम औपनिवेशिक भारत के साहित्य को देखते हैं, तो पाते हैं कि भारतेन्दु हरिश्चंद्र और प्रेमचंद की रचनाएँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं थीं, बल्कि वे पराधीनता की बेड़ियों में जकड़े समाज की 'आत्म-पहचान' का उद्घोष थीं। इन रचनाओं ने तत्कालीन समाज के यथार्थ को नग्न रूप में प्रस्तुत किया और राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक ऊर्जा प्रदान की। साहित्य ने सदैव इतिहास को वह दृष्टिकोण दिया है जो शुष्क सरकारी दस्तावेजों में कभी प्राप्त नहीं हो सकता।"

Q1. लेखक के अनुसार, इतिहास की वास्तविक पहचान किससे होती है?

- (A) केवल सरकारी दस्तावेजों और तिथियों से
- (B) केवल राजाओं के सैन्य अभियानों से
- (C) मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक कहानियों से
- (D) विदेशी यात्रियों के यात्रा वृत्तांतों से

Q2. 'अमुक्तमाल्यदा' का उल्लेख गद्यांश में किस बात को सिद्ध करने के लिए किया गया है?



- (A) विजयनगर की सैन्य श्रेष्ठता को
- (B) सम्राट कृष्णदेव राय की साहित्यिक और कलात्मक रुचि को
- (C) विजयनगर की आर्थिक समृद्धि को
- (D) उस काल के व्यापारिक संबंधों को

Q3. सूफी संतों के अनुसार ईश्वर प्राप्ति का सर्वोत्तम मार्ग क्या है?

- (A) कठोर तपस्या और वैराग्य
- (B) प्रेम और मानवीय संवेदना
- (C) धार्मिक कर्मकांड और यज्ञ
- (D) केवल शास्त्रों का अध्ययन

Q4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और प्रेमचंद की रचनाओं का राष्ट्रीय आंदोलन में क्या योगदान था?

- (A) उन्होंने केवल विदेशी व्यापार को बढ़ावा दिया।
- (B) उन्होंने समाज को वैचारिक ऊर्जा और आत्म-पहचान प्रदान की।
- (C) उन्होंने केवल दरबारों के वैभव का वर्णन किया।
- (D) वे केवल मनोरंजन तक सीमित रहीं।

Q5. गद्यांश के संदर्भ में 'साहित्य' और 'इतिहास' के संबंध पर क्या टिप्पणी की गई है?

- (A) साहित्य इतिहास का हिस्सा नहीं हो सकता।
- (B) साहित्य इतिहास को वह दृष्टिकोण देता है जो सरकारी दस्तावेजों में नहीं मिलता।
- (C) इतिहास केवल तिथियों तक सीमित रहना चाहिए।
- (D) साहित्य केवल कल्पना है, जबकि इतिहास केवल सत्य है।

Q6. साहित्य को राष्ट्र की 'सांस्कृतिक चेतना का संवाहक' क्यों कहा गया है?

- (A) क्योंकि यह संस्कृति को आगे बढ़ाने और सुरक्षित रखने का माध्यम है।
- (B) क्योंकि यह केवल राजाओं की प्रशंसा करता है।
- (C) क्योंकि इसमें केवल धर्म की चर्चा होती है।
- (D) क्योंकि यह मनोरंजन का एकमात्र साधन है।



गद्यांश 2: वृत्तांत (महान यात्री बर्नियर)

गद्यांश 2: "यह वृत्तांत 17वीं शताब्दी के महान यात्री बर्नियर के विवरणों से प्रेरित है। जब बर्नियर ने मुगल कालीन भारत की यात्रा की, तो उसने यहाँ की कृषि और भूमि स्वामित्व प्रणाली का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उसने लिखा कि "मुगल साम्राज्य में सम्राट ही समस्त भूमि का स्वामी होता था, जिसे वह अपने अमीरों और मनसबदारों के बीच वितरित करता था।" बर्नियर के अनुसार, इस निजी स्वामित्व के अभाव ने कृषि के विकास को बाधित किया, क्योंकि कृषक भूमि के रखरखाव में रुचि नहीं लेते थे। इसके विपरीत, स्थानीय भारतीय वृत्तांतों और 'आइन-ए-अकबरी' जैसे ग्रंथों से पता चलता है कि ग्रामीण समाज में भू-राजस्व की वसूली के बावजूद किसानों के पास पारंपरिक अधिकार सुरक्षित थे। मुगल काल में 'खुद-काश्त' और 'पाहि-काश्त' दो प्रमुख प्रकार के किसान थे। जहाँ खुद-काश्त उसी गाँव में रहकर खेती करते थे जहाँ उनकी जमीन थी, वहीं पाहि-काश्त दूसरे गाँवों में जाकर अनुबंध के आधार पर खेती करते थे। इस काल में कृषि केवल जीवन निर्वाह का साधन नहीं थी, बल्कि यह राज्य की आय का मुख्य स्रोत भी थी, जिसे सुव्यवस्थित रूप से दहसाला प्रणाली द्वारा नियंत्रित किया जाता था।"

Q7. बर्नियर के अनुसार, मुगल काल में कृषि के विकास में सबसे बड़ी बाधा क्या थी?

- (A) सिंचाई सुविधाओं का अभाव
- (B) निजी भूमि स्वामित्व का अभाव और सम्राट का सर्वोपरि होना
- (C) विदेशी व्यापार में गिरावट
- (D) तकनीकी ज्ञान की कमी

Q8. वृत्तांत में वर्णित 'खुद-काश्त' किसानों की मुख्य विशेषता क्या थी?

- (A) वे दूसरे गाँवों में जाकर खेती करते थे।
- (B) वे उसी गाँव के निवासी थे जहाँ उनकी अपनी भूमि थी।
- (C) वे केवल मजदूरी का कार्य करते थे।
- (D) वे राज्य के प्रशासनिक अधिकारी थे।

Q9. 'पाहि-काश्त' किसान किस आधार पर अन्य गाँवों में खेती करते थे?

- (A) सैन्य सेवा के आधार पर



- (B) अनुबंध (Contract) के आधार पर
- (C) धार्मिक दान के आधार पर
- (D) जमींदारी के उपहार के रूप में

Q10. गद्यांश के अनुसार, मुगल काल में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत क्या था?

- (A) केवल समुद्री व्यापार शुल्क
- (B) कृषि आधारित भू-राजस्व
- (C) खनिजों का उत्खनन
- (D) धार्मिक कर (जज़िया)

Q11. 'आइन-ए-अकबरी' का संदर्भ वृत्तांत में किस रूप में दिया गया है?

- (A) बर्नियर के विचारों के समर्थन के रूप में
- (B) भारतीय ग्रामीण समाज के पारंपरिक अधिकारों के साक्ष्य के रूप में
- (C) एक विदेशी यात्रा वृत्तांत के रूप में
- (D) सैन्य अभियानों के विवरण के रूप में

Q12. मुगल कालीन भू-राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने वाली किस प्रणाली का उल्लेख वृत्तांत में है?

- (A) रैयतवाड़ी प्रणाली
- (B) स्थायी बंदोबस्त
- (C) दहसाला प्रणाली
- (D) इक्ता प्रणाली



गद्यांश 3: तथ्यात्मक(छठी शताब्दी ईसा पूर्व)

गद्यांश 3: "भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ईसा पूर्व को एक 'अभूतपूर्व परिवर्तनकारी युग' माना जाता है। इस काल में उत्तरी भारत में 16 महाजनपदों का उदय हुआ, जिनमें मगध सबसे शक्तिशाली बनकर उभरा। मगध की सफलता के पीछे भौगोलिक और सामरिक कारण महत्वपूर्ण थे; जैसे गंगा और सोन नदियों के किनारे स्थित होना, जो व्यापार और संचार का सुलभ मार्ग प्रदान करती थीं। साथ ही, राजगीर और बाद में पाटलिपुत्र जैसी राजधानियों की किलेबंदी ने इसे अभेद्य बना दिया। इसी युग में सिक्कों (आहत सिक्के) का प्रचलन प्रारंभ हुआ, जिससे व्यापारिक विनिमय में सरलता आई। लोहे के बढ़ते प्रयोग ने कृषि और युद्ध कौशल दोनों को नई दिशा दी। प्रशासनिक रूप से, मौर्य काल के दौरान एक विशाल नौकरशाही और गुप्तचर व्यवस्था का विकास हुआ। अशोक के काल में 'धम्म' का प्रचार केवल धार्मिक उपदेश नहीं था, बल्कि एक विशाल और विविधतापूर्ण साम्राज्य को एकता के सूत्र में पिरोने का एक राजनीतिक प्रयास भी था। मौर्य प्रशासन के पाँच प्रमुख राजनीतिक केंद्रों (तक्षशिला, उज्जैनी, तोसाली, सुवर्णगिरि और पाटलिपुत्र) ने सत्ता के विकेंद्रीकरण और नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।"

Q13. गद्यांश के अनुसार, मगध के उत्कर्ष में भौगोलिक कारकों ने किस प्रकार सहायता की?

- (A) केवल पहाड़ों की उपस्थिति के कारण
- (B) नदियों के माध्यम से व्यापार और संचार की सुलभता द्वारा
- (C) समुद्री व्यापार पर पूर्ण नियंत्रण के कारण
- (D) विदेशी आक्रमणों की कमी के कारण

Q14. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में व्यापारिक विनिमय को सरल बनाने वाला प्रमुख तकनीकी परिवर्तन क्या था?

- (A) आहत सिक्कों (Punch-marked coins) का प्रारंभ
- (B) वस्तु विनिमय प्रणाली का विस्तार
- (C) केवल स्वर्ण मुद्राओं का प्रयोग
- (D) वस्तु विनिमय प्रणाली का पूर्ण अंत

Q15. गद्यांश में 'लोहे के बढ़ते प्रयोग' का प्रभाव किन क्षेत्रों पर बताया गया है?



- (A) केवल भवन निर्माण पर
- (B) कृषि और युद्ध कौशल पर
- (C) केवल समुद्री यात्राओं पर
- (D) वस्त्र उद्योग पर

Q16. मौर्य प्रशासन के संदर्भ में, सत्ता के नियंत्रण हेतु कितने प्रमुख राजनीतिक केंद्रों का उल्लेख गद्यांश में किया गया है?

- (A) तीन
- (B) चार
- (C) पाँच
- (D) सात

Q17. अशोक के 'धम्म' के प्रचार का मुख्य राजनीतिक उद्देश्य क्या था?

- (A) पड़ोसी राज्यों पर विजय प्राप्त करना
- (B) साम्राज्य को एकता के सूत्र में बाँधना
- (C) नए करों को लागू करना
- (D) सेना का आकार बढ़ाना

Q18. गद्यांश के आधार पर, पाटलिपुत्र और राजगीर की राजधानियों की क्या विशेषता थी?

- (A) वे केवल धार्मिक केंद्र थे
- (B) वे केवल कृषि के लिए प्रसिद्ध थे
- (C) वे विदेशी बस्तियाँ थीं
- (D) उनकी किलेबंदी ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की

शब्द भंडार

Q19. निम्नलिखित में से 'कल्पवृक्ष' का सही पर्यायवाची शब्द समूह कौन-सा है?

- (A) पारिजात, देवतरु, कल्पतरु, सुरतरु



- (B) पावक, अनल, वैश्वानर, हुताशन
- (C) पयोधर, वारिद, अंबुद, नीरद
- (D) केसरी, शार्दूल, मृगेंद्र, व्याघ्र

Q20. 'अथ' शब्द का सबसे सटीक और उपयुक्त विलोम शब्द चुनिए:

- (A) अंत
- (B) इति
- (C) समाप्त
- (D) पूर्ण

Q21. इनमें से कौन-सा शब्द 'किरण' का पर्यायवाची नहीं है?

- (A) मयूख
- (B) अंशु
- (C) विभावरी
- (D) रश्मि

Q22. 'व्यष्टि' शब्द का सही विलोम युग्म निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (A) समास
- (B) समष्टि
- (C) समग्र
- (D) समवेत

Q23. 'अनुराग' का सही विलोम युग्म चुनिए:

- (A) प्रेम
- (B) विराग
- (C) द्वेष
- (D) राग

Q24. निम्नलिखित में से 'तरणि' शब्द का सही पर्यायवाची शब्द है:



- (A) सूर्य
- (B) नाव
- (C) युवती
- (D) नदी

Q25. 'उन्मीलन' शब्द का सटीक विलोम शब्द कौन-सा है?

- (A) अनुमीलन
- (B) निमीलन
- (C) अमिलन
- (D) मिलन

Q26. निम्नलिखित में से 'अश्व' का पर्यायवाची शब्द समूह चुनिए:

- (A) घोटक, हय, तुरंग, बाजी
- (B) विहग, नभचर, अंडज, पखेरू
- (C) कलत्र, दारा, गृहिणी, अर्धांगिनी
- (D) कुंजर, द्विप, वारण, मतंग

Q27. 'शुष्क' का सही विलोम शब्द क्या है?

- (A) गीला
- (B) आर्द्र
- (C) तरल
- (D) शीतल

Q28. 'पार्थिव' शब्द का संबंध निम्नलिखित में से किससे है?

- (A) जिसका संबंध मनुष्यों से हो
- (B) जिसका संबंध ईश्वर से हो
- (C) जिसका संबंध पृथ्वी से हो
- (D) जिसका संबंध प्रथा से हो



Q29. 'जंगम' शब्द का सटीक विलोम शब्द चुनिए:

- (A) अगम
- (B) स्थावर
- (C) दुर्गम
- (D) चंचल

Q30. निम्नलिखित में से 'गंगा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

- (A) भागीरथी
- (B) सुरसरि
- (C) कालिंदी
- (D) मंदाकिनी

मौखिक योग्यता (Rearranging Sentences)

Q31. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) भारतीय संस्कृति की (Q) उदारता और सहिष्णुता (R) पूरे विश्व में (S) बेजोड़ मानी जाती है

- (A) QPRS
- (B) PQRS
- (C) RSPQ
- (D) SRQP

Q32. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) कि वे अपनी आने वाली पीढ़ी को (Q) प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है (R) एक प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित (S) पर्यावरण विरासत में देकर जाएँ

- (A) QPRS
- (B) PQRS
- (C) RSPQ



(D) QRPS

Q33. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) जो व्यक्ति समय की कद्र नहीं करता (Q) अतः सफलता उससे कोसों दूर रहती है (R) क्योंकि बीता हुआ समय (S) कभी लौटकर वापस नहीं आता

(A) PQRS

(B) QPRS

(C) SRPQ

(D) RSPQ

Q34. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) पर्यावरण संरक्षण (Q) आज की सबसे बड़ी (R) आवश्यकता बन गया है (S) मानव जीवन के लिए

(A) PQRS

(B) QPSR

(C) RPQS

(D) SPQR

Q35. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) कड़ी मेहनत (Q) ही सफलता की (R) कुंजी मानी जाती है (S) जीवन में

(A) PQRS

(B) QPRS

(C) PSQR

(D) SPQR

Q36. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) हिंदी भाषा का साहित्य (Q) अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है (R) जिसमें तुलसी और सूर जैसे (S) महान कवियों की अमर रचनाएँ हैं

(A) PQRS

(B) QRPS



(C) RSQP

(D) SPQR

Q37. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) समय का सदुपयोग (Q) हर व्यक्ति को (R) करना चाहिए (S) जीवन में

(A) PQRS

(B) QPSR

(C) RPQS

(D) SPQR

Q38. नीचे दिए गए वाक्य के खंडों को सही तार्किक और व्याकरणिक क्रम में व्यवस्थित करें: (P) यदि हमें समाज को सुधारना है (Q) तो सबसे पहले हमें (R) अपनी संकीर्ण मानसिकता को (S) त्यागना होगा

(A) P-Q-R-S

(B) Q-P-R-S

(C) R-S-P-Q

(D) S-R-P-Q

शब्द प्रयोग (Choosing the Correct Word)

Q39. दिए गए वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त शब्द का चयन करें: "भारतीय इतिहास की विशालता को समझने के लिए हमें तत्कालीन _____ साक्ष्यों का सूक्ष्म विश्लेषण करना होगा।"

(A) परिकल्पित

(B) पुरातात्विक

(C) आकस्मिक

(D) भ्रामक



Q40. वाक्य के संदर्भ में सही शब्द चुनें: "जीवन की जटिल परिस्थितियों में भी महापुरुष अपना _____ कभी नहीं खोते।"

- (A) धैर्य
- (B) स्वार्थ
- (C) आलस्य
- (D) विक्षोभ

Q41. रिक्त स्थान हेतु उचित विकल्प का चयन करें: "किसी भी भाषा की _____ उसके शब्द भंडार और व्याकरणिक शुद्धता पर निर्भर करती है।"

- (A) संकीर्णता
- (B) सम्पन्नता
- (C) विफलता
- (D) जटिलता

व्याकरणिक मिलान (Match the Following)

Q42. शब्द को विलोम के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची 1 (शब्द)	सूची 2 (विलोम)
1. स्थावर	(i) विनीत
2. उद्धत	(ii) जंगम
3. मुख्य	(iii) प्रत्यक्ष
4. परोक्ष	(iv) गौण

- (A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)
- (B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)
- (C) 1-(iv), 2-(iii), 3-(ii), 4-(i)
- (D) 1-(ii), 2-(iv), 3-(i), 4-(iii)

Q43. संधि शब्द को संधि नाम के साथ सुमेलित कीजिए:



सूची 1 (संधि शब्द)	सूची 2 (संधि नाम)
1. यद्यपि	(i) गुण संधि
2. सदैव	(ii) दीर्घ संधि
3. भानूदय	(iii) यण संधि
4. महोत्सव	(iv) वृद्धि संधि

- (A) 1-(iii), 2-(iv), 3-(ii), 4-(i)
 (B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)
 (C) 1-(iv), 2-(iii), 3-(ii), 4-(i)
 (D) 1-(iii), 2-(i), 3-(iv), 4-(ii)

Q44. शब्द को अर्थ/पर्याय के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची 1 (शब्द)	सूची 2 (अर्थ)
1. मारुत	(i) आकाश
2. व्योम	(ii) वायु
3. अनल	(iii) कमल
4. पुंडरीक	(iv) अग्नि

- (A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)
 (B) 1-(iv), 2-(iii), 3-(ii), 4-(i)
 (C) 1-(ii), 2-(iv), 3-(i), 4-(iii)
 (D) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)

Q45. समास पद को समास नाम के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची 1 (समास पद)	सूची 2 (समास नाम)
1. यथाशक्ति	(i) बहुव्रीहि समास
2. लंबोदर	(ii) तत्पुरुष समास
3. राजपुत्र	(iii) अव्ययीभाव समास
4. दिन-रात	(iv) द्वंद्व समास

- (A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)
 (B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii), 4-(iv)
 (C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)



(D) 1-(iv), 2-(i), 3-(ii), 4-(iii)

विविध (Idioms & Phrases)

Q46. 'आकाश-पाताल एक करना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

- (A) बहुत अधिक शोर करना
- (B) इधर-उधर की बातें करना
- (C) कठिन परिश्रम करना
- (D) असंभव कार्य को संभव बनाना

Q47. 'अधजल गगरी छलकत जाए' लोकोक्ति का उपयुक्त भावार्थ क्या है?

- (A) कम ज्ञान होने पर भी अधिक दिखावा करना
- (B) घड़े का आधा भरा होना
- (C) अत्यधिक विद्वान होना
- (D) बिना सोचे-विचारे कार्य करना

Q48. वाक्यांश के लिए एक शब्द का सही चयन कीजिए: 'जिसके समान दूसरा कोई न हो'

- (A) अनुपम
- (B) अद्वितीय
- (C) अपूर्व
- (D) असाधारण

Q49. 'आँखें फेर लेना' मुहावरे का अर्थ किस संदर्भ में प्रयुक्त होता है?

- (A) नींद आ जाना
- (B) प्रतिकूल हो जाना या उपेक्षा करना
- (C) बहुत प्यार करना
- (D) दृष्टि कमजोर होना



Q50. 'पर्वत के नीचे की समतल भूमि' वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त शब्द क्या होगा?

- (A) अधित्यका
- (B) उपत्यका
- (C) घाटी
- (D) बेसिन



Detailed Solutions

Q1.

Solution

संकल्पना: गद्यांश के अनुसार, इतिहास केवल शुष्क तिथियों का संकलन नहीं है। वास्तविक इतिहास उन तिथियों के पीछे छिपी मानवीय भावनाओं और सांस्कृतिक परिवर्तनों से निर्मित होता है।

समाधान: लेखक स्पष्ट करता है कि तिथियाँ सत्य का केवल एक हिस्सा हैं, जबकि वास्तविक पहचान मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक कहानियों से होती है। अतः विकल्प (C) सही है।

अंतिम उत्तर: मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक कहानियों से

Answer: (C)

Q2.

Solution

संकल्पना: कृष्णदेव राय एक महान शासक होने के साथ-साथ एक उच्च कोटि के विद्वान भी थे। उनकी कृति 'अमुक्तमाल्यदा' उनके व्यक्तित्व के साहित्यिक पक्ष को उजागर करती है।

समाधान: गद्यांश में उल्लेख है कि यह कृति सिद्ध करती है कि सम्राट के भीतर एक कवि और कला-पारखी का हृदय भी था। यह उनकी साहित्यिक रुचि का प्रमाण है।

अंतिम उत्तर: सम्राट कृष्णदेव राय की साहित्यिक और कलात्मक रुचि को

Answer: (B)



Q3.

Solution

संकल्पना: मध्यकालीन सूफी परंपरा में ईश्वर और मनुष्य के बीच के संबंध को प्रेम के माध्यम से परिभाषित किया गया है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, सूफी संतों ने अपनी मसनवियों में प्रेम को ही ईश्वर प्राप्ति का एकमात्र और सर्वोत्तम मार्ग बताया है।

अंतिम उत्तर: प्रेम और मानवीय संवेदना

Answer: (B)

Q4.

Solution

संकल्पना: औपनिवेशिक काल के दौरान साहित्य ने समाज को जाग्रत करने और स्वाधीनता के प्रति चेतना भरने का कार्य किया।

समाधान: भारतेन्दु और प्रेमचंद की रचनाओं ने समाज को उसकी 'आत्म-पहचान' से अवगत कराया और राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक शक्ति प्रदान की।

अंतिम उत्तर: उन्होंने समाज को वैचारिक ऊर्जा और आत्म-पहचान प्रदान की।

Answer: (B)

Q5.

Solution

संकल्पना: इतिहास के सरकारी रिकॉर्ड अक्सर केवल घटनाओं का ब्यौरा देते हैं, जबकि साहित्य समाज के आंतरिक सत्य को प्रस्तुत करता है।

समाधान: गद्यांश कहता है कि साहित्य इतिहास को वह सूक्ष्म और मानवीय दृष्टिकोण प्रदान करता है जो सरकारी दस्तावेजों में मिलना असंभव है।

अंतिम उत्तर: साहित्य इतिहास को दृष्टिकोण देता है जो सरकारी दस्तावेजों में नहीं है।

Answer: (B)



Q6.

Solution

संकल्पना: साहित्य किसी भी राष्ट्र की धरोहर, मूल्यों और उसकी निरंतरता को बनाए रखने का सबसे सशक्त माध्यम होता है।

समाधान: साहित्य को सांस्कृतिक चेतना का संवाहक इसलिए माना जाता है क्योंकि यह संस्कृति को सुरक्षित रखते हुए उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करता है।

अंतिम उत्तर: क्योंकि यह संस्कृति को आगे बढ़ाने और सुरक्षित रखने का माध्यम है।

Answer: (A)

Q7.

Solution

संकल्पना: बर्नियर ने मुगल कालीन भारत में भूमि के मालिकाना हक का गहन अध्ययन किया था। उसने यूरोपीय दृष्टिकोण से भारतीय भूमि व्यवस्था की तुलना की थी।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, बर्नियर का मानना था कि मुगल साम्राज्य में निजी स्वामित्व का अभाव था और सम्राट ही समस्त भूमि का स्वामी था। इस कारण किसान भूमि के सुधार में रुचि नहीं लेते थे, जो कृषि विकास में सबसे बड़ी बाधा थी।

अंतिम उत्तर: निजी भूमि स्वामित्व का अभाव और सम्राट का सर्वोपरि होना

Answer: (B)

Q8.

Solution

संकल्पना: मुगल काल में किसानों को उनकी निवास स्थान और भूमि के आधार पर दो श्रेणियों में विभाजित किया गया था।

समाधान: गद्यांश में स्पष्ट किया गया है कि 'खुद-काश्त' वे किसान थे जो उसी गाँव के निवासी थे जहाँ उनकी अपनी खेती की भूमि स्थित थी। वे स्थायी रूप से वहीं रहकर कृषि कार्य करते थे।

अंतिम उत्तर: वे उसी गाँव के निवासी थे जहाँ उनकी अपनी भूमि थी।

Answer: (B)



Q9.

Solution

संकल्पना: 'पाहि-काश्त' किसान गतिशीलता और विशिष्ट आर्थिक व्यवस्था का हिस्सा थे।

समाधान: वृत्तांत के अनुसार, पाहि-काश्त किसान दूसरे गाँवों में जाकर खेती करते थे। उनके इस कार्य का आधार अनुबंध Contract होता था, जिसके तहत वे अस्थायी रूप से भूमि जोतते थे।

अंतिम उत्तर: अनुबंध के आधार पर

Answer: (B)

Q10.

Solution

संकल्पना: मुगल अर्थशास्त्र मुख्य रूप से ग्रामीण उत्पादकता और करों पर टिका हुआ था।

समाधान: गद्यांश उल्लेख करता है कि कृषि केवल जीवन निर्वाह का माध्यम नहीं थी, बल्कि यह राज्य की आय का मुख्य स्रोत भी थी। इसे भू-राजस्व के रूप में वसूला जाता था।

अंतिम उत्तर: कृषि आधारित भू-राजस्व

Answer: (B)

Q11.

Solution

संकल्पना: 'आइन-ए-अकबरी' अबुल फज़ल द्वारा लिखित एक प्रामाणिक प्रशासनिक और सामाजिक दस्तावेज है।

समाधान: बर्नियर के विवरण जहाँ केवल सम्राट के स्वामित्व की बात करते हैं, वहीं 'आइन-ए-अकबरी' का संदर्भ यह सिद्ध करने के लिए दिया गया है कि ग्रामीण समाज में किसानों के पास अपने पारंपरिक अधिकार सुरक्षित थे।

अंतिम उत्तर: भारतीय ग्रामीण समाज के पारंपरिक अधिकारों के साक्ष्य के रूप में

Answer: (B)



Q12.

Solution

संकल्पना: मुगल शासक अकबर के समय में राजस्व संग्रहण को वैज्ञानिक और सटीक बनाने के लिए विशेष नीतियाँ लागू की गई थीं।

समाधान: गद्यांश के अंतिम भाग में 'दहसाला प्रणाली' का उल्लेख है, जो पिछले दस वर्षों के उत्पादन और मूल्यों के आधार पर भू-राजस्व को सुव्यवस्थित करने वाली प्रणाली थी।

अंतिम उत्तर: दहसाला प्रणाली

Answer: (C)

Q13.

Solution

संकल्पना: मगध की भौगोलिक स्थिति ने उसे अन्य महाजनपदों की तुलना में सामरिक और आर्थिक लाभ प्रदान किया। नदियों की उपस्थिति ने सुरक्षा और आवागमन दोनों में मदद की।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, मगध गंगा और सोन जैसी नदियों के तट पर स्थित था। इन नदियों ने व्यापार और संचार Communication के लिए आसान मार्ग उपलब्ध कराए, जिससे मगध का उत्कर्ष हुआ। अतः विकल्प (B) सही है।

अंतिम उत्तर: नदियों के माध्यम से व्यापार और संचार की सुलभता द्वारा

Answer: (B)



Q14.

Solution

संकल्पना: व्यापार को सुगम बनाने के लिए छठी शताब्दी ईसा पूर्व में एक मानक विनिमय माध्यम की आवश्यकता महसूस की गई।

समाधान: गद्यांश स्पष्ट करता है कि इसी युग में आहत सिक्कों (Punch-marked coins) का प्रचलन शुरू हुआ। इन सिक्कों ने वस्तु विनिमय (Barter system) की जटिलताओं को दूर कर व्यापार को सरल बना दिया।

अंतिम उत्तर: आहत सिक्कों (Punch-marked coins) का प्रारंभ

Answer: (A)

Q15.

Solution

संकल्पना: लोहे की खोज और उसके व्यापक प्रयोग ने औजारों और हथियारों की गुणवत्ता में क्रांतिकारी बदलाव किए।

समाधान: गद्यांश में वर्णित है कि लोहे के बढ़ते प्रयोग ने कृषि (जंगलों को साफ करने और गहरे हल चलाने में) और युद्ध कौशल (मजबूत हथियार) दोनों को एक नई दिशा प्रदान की।

अंतिम उत्तर: कृषि और युद्ध कौशल पर

Answer: (B)

Q16.

Solution

संकल्पना: एक विशाल साम्राज्य के कुशल प्रशासन के लिए मौर्य शासकों ने सत्ता को विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में विभाजित किया था।

समाधान: गद्यांश में मौर्य प्रशासन के पाँच प्रमुख केंद्रों का नाम दिया गया है: तक्षशिला, उज्जैनी, तोसाली, सुवर्णगिरि और पाटलिपुत्र। ये केंद्र नियंत्रण और विकेंद्रीकरण के मुख्य स्तंभ थे।

अंतिम उत्तर: पाँच

Answer: (C)



Q17.

Solution

संकल्पना: अशोक का धम्म केवल एक नैतिक संहिता नहीं थी, बल्कि साम्राज्य की विविधता को प्रबंधित करने का एक औजार भी थी।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, धम्म का प्रचार एक राजनीतिक प्रयास था ताकि विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों वाले विशाल साम्राज्य को एकता के सूत्र में पिरोया जा सके।

अंतिम उत्तर: साम्राज्य को एकता के सूत्र में बाँधना

Answer: (B)

Q18.

Solution

संकल्पना: प्राचीन काल में राजधानी की सुरक्षा साम्राज्य की स्थिरता के लिए अनिवार्य थी।

समाधान: गद्यांश में बताया गया है कि राजगीर और पाटलिपुत्र जैसी राजधानियों की सुदृढ़ किलेबंदी की गई थी, जिसने इन केंद्रों को शत्रुओं के लिए अभेद्य और सुरक्षित बना दिया था।

अंतिम उत्तर: उनकी किलेबंदी ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की

Answer: (D)

Q19.

Solution

संकल्पना: 'कल्पवृक्ष' पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वर्ग का एक ऐसा वृक्ष है जो सभी इच्छाओं को पूर्ण करता है। इसके पर्यायवाची शब्द देवलोक और दिव्यता से जुड़े होते हैं।

समाधान: विकल्प (A) में दिए गए शब्द—पारिजात, देवतरु, कल्पतरु और सुरतरु—सभी कल्पवृक्ष के ही नाम हैं। अन्य विकल्पों में 'पावक' अग्नि का, 'पयोधर' बादल का और 'केसरी' सिंह का पर्यायवाची समूह है।

अंतिम उत्तर: पारिजात, देवतरु, कल्पतरु, सुरतरु

Answer: (A)



Q20.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द वे होते हैं जो परस्पर विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। संस्कृत निष्ठ (तत्सम) शब्दों का विलोम प्रायः तत्सम ही होता है।

समाधान: 'अथ' का अर्थ है 'प्रारंभ' या 'शुरुआत'। इसका सबसे सटीक तत्सम विलोम 'इति' है, जिसका अर्थ होता है 'समाप्ति'। यद्यपि 'अंत' और 'समाप्त' भी निकटवर्ती अर्थ देते हैं, परंतु व्याकरणिक दृष्टि से 'अथ' के साथ 'इति' का ही युग्म बनता है।

अंतिम उत्तर: इति

Answer: (B)

Q21.

Solution

संकल्पना: पर्यायवाची शब्दों की पहचान के लिए उनके सूक्ष्म अर्थों को समझना आवश्यक है।

समाधान: मयूख, अंशु और रश्मि—ये तीनों शब्द 'किरण' (प्रकाश की रेखा) के पर्यायवाची हैं। जबकि 'विभावरी' शब्द 'रात' या 'रात्रि' का पर्यायवाची है।

अंतिम उत्तर: विभावरी

Answer: (C)

Q22.

Solution

संकल्पना: 'व्यष्टि' और 'समष्टि' पारिभाषिक विलोम शब्द हैं जो व्यक्ति और समाज (इकाई और समूह) के संदर्भ में प्रयुक्त होते हैं।

समाधान: 'व्यष्टि' का अर्थ है व्यक्तिगत या एक इकाई, जबकि 'समष्टि' का अर्थ है सामूहिक या संपूर्ण समाज। अतः 'व्यष्टि' का सही विलोम 'समष्टि' होगा।

अंतिम उत्तर: समष्टि

Answer: (B)



Q23.

Solution

संकल्पना: भाववाचक संज्ञाओं के विलोम शब्द प्रायः उपसर्ग लगाकर या मूल शब्द बदलकर बनाए जाते हैं।

समाधान: 'अनुराग' का अर्थ है प्रेम या लगाव। इसका विपरीत अर्थ देने वाला शब्द 'विराग' है, जिसका अर्थ है प्रेम का अभाव या विरक्ति। 'द्वेष' का विलोम 'प्रेम' या 'क्षमा' होता है।

अंतिम उत्तर:

Answer: (B)

Q24.

Solution

संकल्पना: हिंदी में श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों (जैसे तरणि, तरणी, तरुणी) के अर्थों में सूक्ष्म अंतर होता है जो उनकी मात्राओं पर निर्भर करता है।

समाधान: 'तरणि' (छोटी 'इ' की मात्रा) का अर्थ 'सूर्य' होता है। ध्यान दें कि 'तरणी' (बड़ी 'ई' की मात्रा) का अर्थ 'नाव' और 'तरुणी' का अर्थ 'युवती' होता है।

अंतिम उत्तर:

Answer: (A)

Q25.

Solution

संकल्पना: कुछ विशिष्ट क्रिया शब्दों के विलोम निश्चित होते हैं जो आँखों की क्रियाओं या खेलने/मुरझाने से संबंधित होते हैं।

समाधान: 'उन्मीलन' का अर्थ है 'आँखें खोलना' या 'विकसित होना'। इसका विपरीत-तार्थक शब्द 'निमीलन' है, जिसका अर्थ होता है 'आँखें मूँदना' या 'बंद होना'।

अंतिम उत्तर:

Answer: (B)



Q26.

Solution

संकल्पना: पशुओं और पक्षियों के पर्यायवाची शब्दों का समूह परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

समाधान: विकल्प (A) में घोटक, हय, तुरंग और बाजी—ये सभी 'अश्व' (घोड़ा) के पर्यायवाची हैं। अन्य विकल्पों में 'विहग' पक्षी का, 'कलत्र' पत्नी का और 'कुंजर' हाथी का समूह है।

अंतिम उत्तर: घोटक, हय, तुरंग, बाजी

Answer: (A)

Q27.

Solution

संकल्पना: विशेषण शब्दों के विलोम उनकी अवस्था के आधार पर चुने जाते हैं।

समाधान: 'शुष्क' का अर्थ है सूखा। इसका शुद्ध तत्सम विलोम 'आर्द्र' (नमी युक्त) है। यद्यपि 'गीला' भी इसका विलोम है, किंतु वह तद्भव श्रेणी में आता है।

अंतिम उत्तर: आर्द्र

Answer: (B)

Q28.

Solution

संकल्पना: अनेकार्थी और शब्द समूह के लिए एक शब्द में मूल शब्द का अर्थ पहचानना आवश्यक है।

समाधान: 'पार्थिव' शब्द 'पृथ्वी' से बना है। इसका अर्थ होता है—"जिसका संबंध पृथ्वी से हो"। जैसे मनुष्य का शरीर पंचतत्वों से बना है, उसे भी पार्थिव कहा जाता है।

अंतिम उत्तर: जिसका संबंध पृथ्वी से हो

Answer: (C)



Q29.

Solution

संकल्पना: गतिशीलता और स्थिरता के आधार पर शब्दों के विलोम निर्धारित किए जाते हैं।

समाधान: 'जंगम' का अर्थ है जो चल सकता हो (चलायमान)। इसका सटीक विलोम 'स्थावर' है, जिसका अर्थ है जो एक ही स्थान पर स्थिर रहे।

अंतिम उत्तर:

Answer: (B)

Q30.

Solution

संकल्पना: नदियों के पर्यायवाची शब्दों में अक्सर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

समाधान: भागीरथी, सुरसरि और मंदाकिनी—ये सभी 'गंगा' के नाम हैं। 'कालिंदी' शब्द 'यमुना' नदी का पर्यायवाची है, गंगा का नहीं।

अंतिम उत्तर:

Answer: (C)

Q31.

Solution

संकल्पना: वाक्य को व्यवस्थित करते समय 'कर्ता + कर्म + क्रिया' के सामान्य नियम के साथ-साथ संबंधवाचक पदों (जैसे 'की') और विशेषणों के क्रम का ध्यान रखना आवश्यक है।

समाधान: खंडों का विश्लेषण: – (P) भारतीय संस्कृति की: यह खंड 'की' पर समाप्त हो रहा है, जिसके बाद संज्ञा आनी चाहिए। – (Q) उदारता और सहिष्णुता: यह (P) का विस्तार है (भारतीय संस्कृति की उदारता...)| – (R) पूरे विश्व में: यह स्थान सूचक अव्यय है। – (S) बेजोड़ मानी जाती है: यह वाक्य की मुख्य क्रिया है जो अंत में आएगी। सही क्रम PQRS है।

अंतिम उत्तर:

Answer: (B)



Q32.

Solution

संकल्पना: जटिल वाक्यों में 'कि' समुच्चयबोधक अव्यय मुख्य उपवाक्य को आश्रित उपवाक्य से जोड़ता है।

समाधान: खंडों का विश्लेषण: – (Q) प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है: यह मुख्य उपवाक्य है जिससे शुरुआत होगी। – (P) कि वे अपनी आने वाली पीढ़ी को: यह 'कर्तव्य' की व्याख्या करने वाला 'कि' खंड है। – (R) एक प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित: यह 'पर्यावरण' का विशेषण है। – (S) पर्यावरण विरासत में देकर जाएँ: यह क्रिया और उद्देश्य को पूर्ण करता है। सही क्रम QPRS है।

अंतिम उत्तर: (A) QPRS

Answer: (A)

Q33.

Solution

संकल्पना: कारण और परिणाम वाले वाक्यों में पहले तथ्य या कारण रखा जाता है, फिर उसका निष्कर्ष।

समाधान: खंडों का विश्लेषण: – (R) क्योंकि बीता हुआ समय: यह खंड कारण बता रहा है। – (S) कभी लौटकर वापस नहीं आता: यह (R) को पूर्ण करता है। – (P) जो व्यक्ति समय की कद्र नहीं करता: यह मुख्य स्थिति है। – (Q) अतः सफलता उससे कोसों दूर रहती है: यह अंतिम परिणाम (निष्कर्ष) है। तार्किक प्रवाह के अनुसार, पहले समय की अपरिवर्तनीयता (RS) फिर व्यक्ति का व्यवहार और परिणाम (PQ) आता है। अतः क्रम RSPQ सही है।

अंतिम उत्तर: (D) RSPQ

Answer: (D)



Q34.

Solution

संकल्पना: वाक्य विन्यास में कर्ता, विशेषण तथा क्रिया का तार्किक क्रम आवश्यक होता है।

समाधान: (Q) आज की सबसे बड़ी : विशेषण

(P) पर्यावरण संरक्षण : कर्ता

(S) मानव जीवन के लिए : संबंध

(R) आवश्यकता बन गया है : क्रिया

अतः सही क्रम QPSR है।

अंतिम उत्तर: (B) QPSR

Answer: (B)

Q35.

Solution

संकल्पना: स्थान सूचक पद प्रायः वाक्य के प्रारंभ में आता है।

समाधान: (S) जीवन में : स्थान

(P) कड़ी मेहनत : कर्ता

(Q) ही सफलता की : संबंध

(R) कुंजी मानी जाती है : क्रिया

अतः सही क्रम SPQR है।

अंतिम उत्तर: (D) SPQR

Answer: (D)



Q36.

Solution

संकल्पना: संबंधवाचक सर्वनाम 'जिसमें' का प्रयोग पहले वर्णित संज्ञा के गुणों का विस्तार करने के लिए किया जाता है।

समाधान: खंडों का विश्लेषण: – (P) हिंदी भाषा का साहित्य: मुख्य विषय। – (Q) अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है: विषय की विशेषता। – (R) जिसमें तुलसी और सूर जैसे: साहित्य के अंदर के अंशों की चर्चा। – (S) महान कवियों की अमर रचनाएँ हैं: खंड (R) की पूर्णता। सही क्रम PQRS है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q37.

Solution

संकल्पना: कर्ता के बाद कर्म और अंत में क्रिया का प्रयोग होता है।

समाधान: (Q) हर व्यक्ति को : कर्ता

(P) समय का सदुपयोग : कर्म

(S) जीवन में : संदर्भ

(R) करना चाहिए : क्रिया

अतः सही क्रम QPSR है।

अंतिम उत्तर: (B) QPSR

Answer: (B)



Q38.

Solution

संकल्पना: 'यदि-तो' वाले मिश्रित वाक्यों में 'यदि' वाला खंड पहले और 'तो' वाला खंड परिणाम के रूप में बाद में आता है।

समाधान: खंडों का विश्लेषण: - (P) यदि हमें समाज को सुधारना है: शर्त। - (Q) तो सबसे पहले हमें: परिणाम की शुरुआत। - (R) अपनी संकीर्ण मानसिकता को: कर्म। - (S) त्यागना होगा: अनिवार्य क्रिया। सही क्रम PQRS है।

अंतिम उत्तर: (A) PQRS

Answer: (A)

Q39.

Solution

संकल्पना: इतिहास के अध्ययन के लिए वास्तविक और वैज्ञानिक साक्ष्यों की आवश्यकता होती है। वाक्य के संदर्भ में 'इतिहास' और 'साक्ष्य' के साथ प्रयुक्त होने वाला तकनीकी शब्द ढूँढना आवश्यक है।

समाधान: विकल्पों का विश्लेषण: - परिकल्पित: कल्पना पर आधारित (इतिहास के लिए उपयुक्त नहीं)। - पुरातात्विक : प्राचीन अवशेषों और खुदाई से प्राप्त साक्ष्य (इतिहास के लिए सबसे उपयुक्त)। - आकस्मिक: अचानक होने वाला। - भ्रामक: भ्रम पैदा करने वाला। इतिहास की विशालता को समझने के लिए पुरातात्विक साक्ष्य अनिवार्य होते हैं।

अंतिम उत्तर: पुरातात्विक

Answer: (B)



Q40.

Solution

संकल्पना: महापुरुषों के चारित्रिक गुणों को दर्शाने के लिए सकारात्मक और उदात्त शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

समाधान: विकल्पों का विश्लेषण: – धैर्य: कठिन समय में शांत रहने का गुण। – स्वार्थ: केवल अपना भला सोचना (नकारात्मक)। – आलस्य: सुस्ती (नकारात्मक)। – विक्षोभ: मानसिक अशांति। महापुरुषों की विशेषता यह है कि वे कठिन परिस्थितियों में भी अपना 'धैर्य' बनाए रखते हैं।

अंतिम उत्तर:

Answer: (A)

Q41.

Solution

संकल्पना: किसी भाषा की श्रेष्ठता या मजबूती उसके व्यापक शब्द भंडार और व्याकरणिक संरचना से आंकी जाती है।

समाधान: विकल्पों का विश्लेषण: – संकीर्णता: छोटापन या तंग विचार। – सम्पन्नता: समृद्धि या प्रचुरता। – विफलता: हार। – जटिलता: कठिन होना। जब किसी भाषा का शब्द भंडार बड़ा और व्याकरण शुद्ध होता है, तो वह भाषा 'सम्पन्न' (Rich) कहलाती है।

अंतिम उत्तर:

Answer: (B)



Q42.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द वे होते हैं जो एक-दूसरे के विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। ऐसे प्रश्नों में प्रत्येक शब्द के सही अर्थ को समझकर उसका उपयुक्त विपरीत चुनना आवश्यक होता है।

समाधान: सूची 1 के शब्दों का मिलान:

1. स्थावर: जिसका अर्थ है स्थिर या अचल। इसका विलोम जंगम (ii) है, जिसका अर्थ है चलायमान।
2. उद्धत: जिसका अर्थ है अभिमानी या अक्खड़। इसका विलोम विनीत (i) है, जिसका अर्थ है नम्र।
3. मुख्य: जिसका अर्थ है प्रधान। इसका विलोम गौण (iv) है, जिसका अर्थ है द्वितीयक।
4. परोक्ष: जिसका अर्थ है अप्रत्यक्ष। इसका विलोम प्रत्यक्ष (iii) है।

अतः सही मिलान क्रम 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii) है।

अंतिम उत्तर: (A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

Answer: (A)



Q43.

Solution

संकल्पना: स्वर संधि के नियमों के आधार पर शब्दों के बीच होने वाले वर्णों के मेल की पहचान की जाती है।

समाधान: संधि विच्छेद का विश्लेषण:

1. यद्यपि: यदि + अपि (इ + अ = य) यह ****यण संधि**** (iii) का उदाहरण है।
2. सदैव: सदा + एव (आ + ए = ऐ) यह ****वृद्धि संधि**** (iv) का उदाहरण है।
3. भानूदय: भानु + उदय (उ + उ = ऊ) यह ****दीर्घ संधि**** (ii) का उदाहरण है।
4. महोत्सव: महा + उत्सव (आ + उ = ओ) यह ****गुण संधि**** (i) का उदाहरण है।

अतः सही क्रम 1-(iii), 2-(iv), 3-(ii), 4-(i) है।

अंतिम उत्तर: (A) 1-(iii), 2-(iv), 3-(ii), 4-(i)

Answer: (A)



Q44.

Solution

संकल्पना: विभिन्न तत्वों और वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होने वाले पर्यायवाची शब्दों का सही ज्ञान मिलान को सुलभ बनाता है।

समाधान: सूची 1 के पर्यायवाची शब्दों का मिलान:

1. मारुत: इसका अर्थ ****वायु**** (ii) या पवन होता है।
2. व्योम: इसका अर्थ ****आकाश**** (i) या नभ होता है।
3. अनल: इसका अर्थ ****अग्नि**** (iv) या आग होता है। (अनिल = वायु, अनल = अग्नि)।
4. पुंडरीक: यह श्वेत ****कमल**** (iii) का पर्यायवाची है।

अतः सही क्रम 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii) है।

अंतिम उत्तर: (A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

Answer: (A)



Q45.

Solution

संकल्पना: समास में दो शब्दों के मेल से नए शब्द बनते हैं। इसमें पदों की प्रधानता के आधार पर भेदों का निर्धारण होता है।

समाधान: समास विग्रह और पहचान:

1. यथाशक्ति: शक्ति के अनुसार। इसमें प्रथम पद अव्यय है, अतः ****अव्ययीभाव समास**** (iii) है।
2. लंबोदर: लंबा है उदर जिनका (गणेश)। यहाँ अन्य पद प्रधान है, अतः ****बहुव्रीहि समास**** (i) है।
3. राजपुत्र: राजा का पुत्र। यहाँ 'का' कारक चिह्न का लोप है, अतः ****तत्पुरुष समास**** (ii) है।
4. दिन-रात: दिन और रात। यहाँ दोनों पद प्रधान हैं, अतः ****द्वंद्व समास**** (iv) है।

अतः सही क्रम 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv) है।

अंतिम उत्तर: (A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)

Answer: (A)

Q46.

Solution

संकल्पना: मुहावरे भाषा में विलक्षण अर्थ प्रकट करते हैं। 'आकाश-पाताल एक करना' एक ऐसा मुहावरा है जो किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए की गई चरम कोशिश को दर्शाता है।

समाधान: जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को पूरा करने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा देता है और दिन-रात मेहनत करता है, तो उसके लिए इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है। इसका अर्थ 'कठिन परिश्रम करना' या 'जी-तोड़ मेहनत करना' होता है।

अंतिम उत्तर: कठिन परिश्रम करना

Answer: (C)



Q47.

Solution

संकल्पना: लोकोक्तियाँ लोक-अनुभवों पर आधारित होती हैं। यह लोकोक्ति मानवीय व्यवहार और प्रदर्शन की प्रवृत्ति पर प्रहार करती है।

समाधान: जिस प्रकार आधा भरा हुआ घड़ा हिलाने पर ज्यादा आवाज करता है और पानी छलकाता है, उसी प्रकार जिस व्यक्ति के पास ज्ञान कम होता है, वह खुद को विद्वान सिद्ध करने के लिए अत्यधिक प्रदर्शन या दिखावा करता है। अतः इसका अर्थ है 'कम ज्ञान होने पर भी अधिक दिखावा करना'।

अंतिम उत्तर: कम ज्ञान होने पर भी अधिक दिखावा करना

Answer: (A)

Q48.

Solution

संकल्पना: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का चयन करते समय शब्द के मूल अर्थ और उसके प्रयोग की सूक्ष्मता को देखा जाता है।

समाधान: विकल्पों का विश्लेषण: – अनुपम: जिसकी उपमा न दी जा सके। – अद्वितीय: जिसके समान (बराबर) दूसरा कोई न हो (A-dvitiya) – अपूर्व: जो पहले न हुआ हो। – असाधारण: जो साधारण न हो। वाक्यांश 'जिसके समान दूसरा कोई न हो' के लिए 'अद्वितीय' सबसे उपयुक्त शब्द है।

अंतिम उत्तर: अद्वितीय

Answer: (B)



Q49.

Solution

संकल्पना: आँखों से जुड़े मुहावरे अक्सर भावनाओं और व्यवहारिक बदलावों को संकेत करते हैं।

समाधान: 'आँखें फेर लेना' का अर्थ होता है किसी के प्रति अपने व्यवहार में बदलाव लाना, पहले जैसा लगाव न रखना या किसी की उपेक्षा करना। यह अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों या स्वार्थ सिद्ध होने के बाद के व्यवहार के लिए प्रयुक्त होता है।

अंतिम उत्तर: प्रतिकूल हो जाना या उपेक्षा करना

Answer: (B)

Q50.

Solution

संकल्पना: भौगोलिक संरचनाओं के लिए हिंदी शब्दावली में अत्यंत सटीक शब्द उपलब्ध हैं, जो पर्वत की ऊँचाई और तलहटी को परिभाषित करते हैं।

समाधान: दो महत्वपूर्ण शब्दों को समझना आवश्यक है: – ****उपत्यका:**** पर्वत के नीचे (तलहटी) की समतल भूमि। – ****अधित्यका:**** पर्वत के ऊपर की समतल भूमि। चूंकि प्रश्न में नीचे की भूमि पूछी गई है, अतः 'उपत्यका' सही उत्तर है।

अंतिम उत्तर: उपत्यका

Answer: (B)



Answer Key

Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans
1	C	2	B	3	B	4	B	5	B
6	A	7	B	8	B	9	B	10	B
11	B	12	C	13	B	14	A	15	B
16	C	17	B	18	D	19	A	20	B
21	C	22	B	23	B	24	A	25	B
26	A	27	B	28	C	29	B	30	C
31	B	32	A	33	D	34	B	35	D
36	A	37	B	38	A	39	B	40	A
41	B	42	A	43	A	44	A	45	A
46	C	47	A	48	B	49	B	50	B

